प्रश्न: भारतीय कृषि की विशेषताओं का वर्णन करें ।

उत्तर: सत्तर के दशक में देश में आयी हरित क्रांति ने कृषि की दिशा व दिशा ही बदलकर रख दी है । आज भारत की गिनती विश्व के गिने चुने कृषि प्रधान देश के रूप में होती है । भारत कई फसलों के उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान पर है । यहाँ की नई कृषि विशेषताओं में मशीनों द्वारा कृषि, खाद और उर्वरक का प्रयोग, पर्याप्त सिंचित भूमि, प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल एवं डिजिटल कृषि तकनीक आदि हैं ।

भारत एक कृषि प्रधान देश हैं।यहाँ अति प्राचीन काल से ही कृषि कार्य किया जाता हैं। इतिहास गवाह है कि जब संसार के अधिकांश मानव असभ्य थे, उस समय भी भारतवासी कृषि में निपुण थे। आर्य युग में जुताई, सिंचाई, कटाई, निराई आदि कार्य किया जाता था। कृषि के साथ पशुपालन व्यवसाय संलग्न हैं। विश्व में चीन के बाद भारत ही वह दूसरा देश हैं, जहाँ इतनी बड़ी संख्या में लोग कृषि कार्य में संलग्न हैं। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मूल आधार हैं तथा देश की 50 % कृषि से ही होती हैं। देश के घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का लगभग 26 % योगदान हैं। देश के कुल निर्यातों में कृषि का योगदान 1999-2000 में 43 % था। इसीलिए कृषि को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता हैं।

भारत के 22 करोड़ पशुओं का भोजन भी कृषि जन्य पदार्थो से प्राप्त होता हैं। गैर कृषि क्षेत्र के लिये बड़ी मात्रा में उपभोक्ता वस्तुयें और अधिकांश कच्चा माल कृषि से ही प्राप्त होता हैं। देश की एक अरब से भी अधिक जनसंख्या का भरण पोषण कृषि के विकास से ही संभव हैं। भारत एक विशाल देश होने के साथ-साथ कृषि प्रधान देश भी हैं जोकि मानसूनी जलवायु एवं सिंचाई पर निर्भर हैं। यहां उच्चावच, जलवायु तथा मृदा संबंधी विविधताएँ स्वभाविक है जिस कारण यहाँ फसलों के प्रकार एवं उत्पादन में पर्याप्त विभिन्नता मिलता हैं। यहां पर अनेक प्रकार से कृषि की जाती हैं। भारत की कृषि पर वर्षा का प्रभाव अधिक पड़ता हैं। भारत की कृषि की विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

1. यह राष्ट्रीय आय का प्रमुख स्त्रोत हैं। कुल राष्ट्रीय आय का लगभग एक चौथाई कृषि से प्राप्त होता है।
2. उद्योगों को कच्चे माल की भरपूर आपूर्ति होती हैं। सूती वस्त्र जूट, तम्बाकू,शक्कर, व वनस्पति आदि उद्योगों को कच्चे माल की पूर्ति कृषि द्वारा ही कीजाती हैं।

3. हमारें यहां कृषि में श्रम की प्रधानता हैं। कृषि का अधिकांश कार्य किसान हाथ से करते हैं।
4. अन्य देशों की तुलना में हमारे यहां कृषि योग्य भूमि का क्षेत्रफल सबसे अधिक हैं।
5. भारत में पैदा की जाने वाली कई फसलों चाय, जूट, तम्बाकू, कपास,तिलहन,व मसालें आदि के कारण कृषि का अंतर्राश्ट्रीय व्यापार में महत्वपूर्ण योगदान हैं। इससे भारत का अंतर्राष्ट्रीय महत्व बढ़ा हैं।
6. भारतीय कृषि का अधिकांश भाग सिचाई के लिए मानसून पर निर्भर करता है।
7. भारतीय कृषि की महत्त्वपूर्ण विशेषता जोत इकाइयों की अधिकता एवं उनके आकार का छोटा होना है।

स्रोत: https://www.thehansindia.com/posts/index/Hans/2017-04-03/Agriculture-sector-a-must-for-GDP-growth/290889

8. भारतीय कृषि में जोत के अन्तर्गत कुल क्षेत्रफल खण्डों में विभक्त है तथा सभी खण्ड दूरी पर स्थित हैं।
9. भूमि पर प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से जनसंख्या का अधिक भार है।
10. कृषि उत्पादन मुख्यतया प्रकृति पर निर्भर रहता है। .....क्रमशः

- सन्दर्भ
- https://www.scotbuzz.org/2017/06/krashi-ke-prakar.html?m=1 by Bandey June 07, 2017
- https://www.sookshmas.com/enote by Sudhakar verma September 29,2018 at 12:08 PM
- भारत का भूगोल, कॉसमॉस पब्लिकेशन, महेश बर्णवाल
- भारत का भूगोल, बौद्धिक प्रकाशन, एस० के० ओझा
- सरस्वती भूगोल: डी० आर० खुल्लर, इन्टरनेट एवं अन्य प्रतियोगी पुस्तकें

बोलेंद्र कुमार अगम, सहायक प्राध्यापक, भूगोल, राजा सिंह महाविद्यालय, सीवान